

1. “नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध” (Ethics & Human Interface)

नीतिशास्त्र (Ethics):- एक परिचय

नीतिशास्त्र सामान्यतः दर्शनशास्त्र की शाखा के रूप में विख्यात रहा है किंतु वर्तमान में यह व्यवहारिक विज्ञान के रूप में अधिक प्रतिष्ठित विषय स्वीकारा जा रहा है।

यह व्यवहारिक विज्ञान होने के नाते, व्यक्ति के कर्मों को उचित-अनुचित तथा शुभ-अशुभ के रूप में परिभाषित व मूल्यांकित भी करता है, इसलिए प्रत्येक क्षेत्र में आचार संहिता (code of conduct) के रूप में यह महत्वपूर्ण विषय बनकर उभरा है।

गांधीजी के अनुसार राजनीतिशास्त्र व अन्य विषय यह बताते हैं कि “क्या हुआ और क्यों हुआ” परंतु नीतिशास्त्र एक ऐसा विषय है जो यह बताता है कि “क्या करना चाहिए।” अतः इस रूप में अन्य विषयों पर यह श्रेष्ठता हासिल प्राप्त कर लेता है।

1. मूल्य

यह व्यक्ति विशेष का सिद्धांत या गुण है, जिसके आधार पर व्यक्ति सही-गलत का निर्णय करता है और उसका व्यक्तिगत स्वभाव भी इसी मूल्य पर निर्भर करता है। यह सर्वमान्य है कि मूल्य ही स्वभाव को तैयार करता है। मूल्य से मोटे तौर पर तात्पर्य है कि वह व्यवहार या आचरण जिसे सामाजिक मान्यता प्राप्त हो मानव अपने तर्क और अनुभव के आधार पर जब अपने मूल्यों का परीक्षण करता है तो इससे विकसित अभिवृत्ति को नीतिशास्त्र कहा जाता है।

मूल्य एक व्यापक शब्द है जिसके अंतर्गत नीतिशास्त्र और नैतिकता दोनों समाहित हैं। मूल्य एक ऐसा विचार है जो व्यक्ति या समूह के लिए भावनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस प्रकार-नीतिशास्त्र और नैतिकता मूल्य का अभिन्न अंग है।

2. नैतिकता

नैतिकता वो सिद्धांत है जिससे नीतिशास्त्र का उद्भव हुआ है। वैसा मानक या व्यवहार जिसकी समाज में स्वीकृति है, वही नैतिक है। अतः नैतिकता वह मानवीय कृत्य अथवा न्याय है, जिससे किसी अन्य का अहित नहीं होता या दूसरे शब्दों में अन्य लोगों की मदद से अपनी गुणवत्ता में वृद्धि करता है। मानव का कोई कृत्य या आचरण जिसे सामाजिक मान्यता नहीं प्राप्त है, अनैतिक है।

3. नीतिशास्त्र

नीतिशास्त्र या आचार संहिता समानार्थी हैं। उदाहरण - नैतिक आचरण का अर्थ नियमबद्ध आचरण से ही है। नीतिशास्त्र को नैतिकता का विज्ञान भी कहा जाता है और भी व्यक्ति इसी नैतिकता के सिद्धान्तानुसार व्यवहार करता है।
उदाहरण-

व्यक्ति	→	मूल्य	→	नैतिकता	→	नीतिशास्त्र
				(परिवार कल्याण के लिए कार्य करना)		(परिवार कल्याण के लिए योगदान कैसे करें)

कोई भी कृत्य जो मूल्य और नैतिकता के खिलाफ है नैतिक नहीं है।

‘नैतिकता’ का उत्तर है- ‘क्यों’?

आखिर परिवार की भलाई इतना महत्वपूर्ण क्यों है? मुझे दुख होता है, जब मेरा परिवार दुखी होता है। मुझे परेशानी होती है, जब मेरा परिवार परेशान रहता है।

‘नैतिकता’ का उत्तर है- ‘क्या’?

परिवार की बेहतरी के लिए क्या महत्वपूर्ण है? परिवार हर व्यक्ति के लिए सबसे महत्वपूर्ण रिश्ता है। व्यक्ति सदैव परिवार के साथ रहना चाहता है और परिवार पर ही विश्वास करना चाहता है अगर हमें कुछ हो जाता है तो हमें उम्मीद रहती है कि हमारा परिवार हमारे साथ रहेगा। अतः हम ऐसी स्थिति में रहना चाहते हैं जिससे अपने परिवार के लिए कुछ कर सकें।

नीतिशास्त्र का बेहतर उत्तर है- कैसे?

परिवार की बेहतरी में योगदान कैसे करें? ईमानदारी, मिलनसार (खुलापन) और आदरभाव रखकर मजबूत संबंधों को प्रोत्साहित करेंगे। इतना पैसा भी कमाएंगे ताकि अपनी जरूरतों के साथ-साथ आवश्यकता महसूस किए जाने पर अपने परिवार वालों का भी आर्थिक सहयोग कर सकें। जब भी परिवार का सहयोग करेंगे वापसी की उम्मीद नहीं रखेंगे।

नीतिशास्त्र क्या है?

अच्छा या बुरा (मूल्य)

सही या गलत (standard) मानक

नीतिशास्त्र के अंतर्गत हम लोग मूल्य और मानक का अध्ययन करते हैं। यह मान व्यक्ति विशेष पर परिवर्तित होता रहता है।

नीतिशास्त्र के अंतर्गत 3 प्रकार के प्रश्नों को शामिल किया जाता है।

1. लोगों के चरित्र और आचरण से संबंधित प्रश्न (आचार शास्त्रीय प्रश्न=मानक स्तरीय नीतिशास्त्र)
2. नैतिक मुद्दों पर आम लोगों की राय (व्यवहारिक नीतिशास्त्र)
3. नैतिक शब्दों के अर्थ से संबंधित प्रश्न (अधि नीतिशास्त्र)

नीतिशास्त्र	नैतिकता
<ul style="list-style-type: none">- नैतिक आचरण के सिद्धांत- बौद्धिक प्रयास- बौद्धिक औचित्य	<ul style="list-style-type: none">- मानकों का समूह- सामाजिक क्रियाकलापों से उद्भव उदाहरण-सती प्रथा- यह व्यवहार को परिभाषित करती है।

1. नीतिशास्त्र के अंतर्गत सबसे महत्वपूर्ण विषय मनुष्य का चरित्र व आचरण है। मनुष्य के गुणों से उसके चरित्र का निर्माण होता है और कार्यों से उसका आचरण निर्मित होता है। मानव में हम दो महत्वपूर्ण गुणों को देखते हैं:-

(क) व्यक्तिगत गुण- साहस, आत्म-नियंत्रण, धैर्य, एकाग्रता, संयम

(ख) सामाजिक गुण- परोपकार, सहानुभूति, अधिवृत्ति

मनुष्य के अंदर गुणों का विकास तब होता है, जब वह नैसर्गिक गुणों को नियंत्रित करना और उसका प्रबंधन करना सीख जाता है। मनुष्य के चरित्र और आचरण से संबंधित पहलुओं का निर्धारण हमेशा कुछ मानकों के आधार पर होता है। इसी मानवीय आचरण और चरित्र से संबंधित अध्ययन को मानकीय नीतिशास्त्र कहते हैं।

उदाहरण: क्या महान्यायाधीश को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष गलत प्रस्ताव देना चाहिए? (हां या ना)

2. नैतिक मुद्दों पर लोगों की राय: (व्यावहारिक नीतिशास्त्र) इसके अंतर्गत निम्न मुद्दों पर राय से यह बात स्पष्ट हो जाती है बहुविवाह के मुद्दों पर गांधीजी ने क्या राय थी? तमिलनाडु में नाभिकीय संयंत्र के विषय में नकारात्मक विचार क्यों है?

3. नैतिक शब्दों के अर्थ से संबंधित : कुछ ऐसे शब्द हैं जो नैतिकता और अनैतिकता में भिन्नता लाते हैं।

उदाहरण: अच्छा, बुरा, कर्तव्यनिष्ठ-कर्तव्यविमुख इत्यादि। इनका अध्ययन अधि-नीतिशास्त्र कहलाता है।

विशेष

महत्वपूर्ण यह भी है कि बिना moral हुए भी ethical रहा जा सकता है और ethics की परवाह वगैर morality को वरीयता दी जा सकती है जैसे-

यह भी कोई lawyer यह जानकर कि वह जिसका केस लड़ रहा है, वह दुर्दान्त अपराधी व भ्रष्टाचारी है, ऐसे में-

(A) यदि वह केस लड़ता है तो professional ethics इसे सही मानेगा भले ही उसकी morality इसके विपरित हो।

(B) यदि वह morality को चुनेगा तो अपने professional ethics को अनुपालन नहीं कर सकेगा।